GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TOURISM

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO.*76
ANSWERED ON 09.02.2021

COVID-19 IMPACT ON TRAVEL INDUSTRY

*76. SHRI B. LINGAIAH YADAV:

Will the Minister of **TOURISM** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the travel industry is likely to take years to get back to pre-pandemic business level;
(b) whether there is a need for greater collaboration between the industry and Government to bring the travel industry back on track;
(c) whether Government propose to consider subsidising consumer holidays on the lines as seen in other countries like Thailand, Japan and Italy, if so, the details thereof; and
(d) the steps being taken by Government thereon and present status thereof?

ANSWER

MINISTER OF STATE FOR TOURISM (INDEPENDENT CHARGE)
(SHRI PRAHLAD SINGH PATEL)

(a) to (d): A statement is laid on the table of the House.

****

STATEMENT IN REPLY TO PARTS (a) TO (d) OF RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO.*76 ANSWERED ON 09.02.2021 REGARDING COVID-19 IMPACT ON TRAVEL INDUSTRY

(a): Sir, the impact of Covid – 19 on the Travel Industry has been devastating but signs of improvement are visible in the domestic tourism segment in States/UTs like Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Goa and Andaman & Nicobar etc.

The vaccination process has also created a positive perception about traveling and the numbers are expected to help the industry attain revival and recovery. Since the situation is still evolving, the achievement of pre-pandemic business level will be ascertained in due course.

(b): Yes, Sir. The Ministry and its regional offices located in Delhi, Kolkata, Mumbai, Chennai and Guwahati are regularly communicating with the travel industry and other stakeholders on issues related to opening up of tourism sector, handling of tourists, protocols of safety and security, service standards etc.

(c) and (d): No, Sir. At present there is no proposal to subsidize consumer holidays.

****

प्रश्नों के मौखिक उत्तर

भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं.*76

मंगलवार, 9 फरवरी, 2021/20 माघ, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

यात्रा उद्योग पर कोविड-19 का प्रभाव

***76. श्री बी लिंग्याह यादव:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि यात्रा उद्योग को वैश्विक महामारी से पूर्व की कारोबारी स्थिति के स्तर पर पहुंचने में कई वर्ष लगने की संभावना है;

(ख) क्या यात्रा उद्योग को पुन: पटरी पर लाने के लिए इस उद्योग और सरकार के बीच और अधिक सहयोग की आवश्यकता है;

(ग) क्या सरकार थाइलैंड, जापान और इटली जैसे अन्य देशों की तरह उपभोक्ता अवकाश को राजसहायता प्रदान करने पर विचार कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं और तत्संबंधी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

यात्रा उद्योग पर कोविड-19 का प्रभाव के संबंध में दिनांक 09.02.2021 के राज्य सभा मौखिक प्रश्न सं. *76 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क): महोदय, यात्रा उद्योग पर कोविड-19 का अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, लेकिन जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा तथा अंडमान एवं निकोबार आदि जैसे राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में घरेलू पर्यटन वर्ग में स्थिति बेहतर होने के संकेत स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं।

टीकाकरण की प्रक्रिया शुरू होने से भी यात्रा के लिए सकारात्मक धारणा बनी है और यात्रा उद्योग की बहाली और पुनरुद्धार में सहायता के लिए यात्रियों की संख्या में वृद्धि की संभावना है। चूंकि स्थिति में परिवर्तन अभी जारी है अतः इस महामारी से पहले के व्यवसायिक स्तर पर पहुंचने का पता नियत समय पर ही लगेगा।

(ख): जी हां। यह मंत्रालय तथा दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई और गुवाहाटी में स्थित इसके क्षेत्रीय कार्यालय पर्यटन क्षेत्र को खोले जाने, आने वाले पर्यटकों के प्रबंधन, सुरक्षा एवं संरक्षा प्रोटोकॉल, सेवा मानक आदि से संबंधित मुद्दों पर यात्रा उद्योग और अन्य हितधारकों के साथ नियमित रूप से विचार विमर्श कर रहे है।

(ग) और (घ): जी नहीं। वर्तमान में उपभोक्ता अवकाश हेतु सब्सिडी देने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****

DR. BHAGWAT KARAD: Sir, in Maharashtra, Aurangabad is supposed to be the capital of tourism. Due to Covid-19, the number of tourists has reduced enormously. Is there any plan of the Tourism Ministry to start airlines which were there earlier, like Goa-Aurangabad and from Aurangabad to Jaipur and Jodhpur? That is my question. There are world-famous Ajanta and Ellora caves near Aurangabad. Is there any plan of the Government to connect this to Thailand and Japan for promoting Buddhist tourism?

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : माननीय सभापति जी, औरंगाबाद एक बहुत महत्वपूर्ण एयरपोर्ट है। अजन्ता और एलोरा हमारे यूनेस्को की site भी है और हमारी iconic sites की जो लिस्ट है, उसमें भी उसका स्थान है।

श्री सभापति : प्लीज़। आप दोनों मास्क लगा कर बोल रहे हैं, इसलिए आपकी आवाज ठीक नहीं आ रही है।

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : सभापति जी, मैं यह कह रहा था कि माननीय सदस्य ने जो कहा है, हमारे जो air routes होते हैं, उन्हें संबंधित मंत्रालय तय करता है और इसमें पर्यटन मंत्रालय अपनी सिफारिश भी करता है। अगर कभी gap funding की बात आती है, तो उस स्कीम के तहत पर्यटन मंत्रालय उसमें मदद भी करता है। आपने जो अपेक्षा की है, मैं उसको सम्बन्धित मंत्रालय को भिजवाऊँगा।

SHRI K.R. SURESH REDDY: Mr. Chairman, Sir, the Government has agreed that the pandemic has devastated the tourism industry, but my question to the hon. Minister is: what is the relief being given to those affected under this particular industry, that is, tourism? These are mostly the hotels, the tour operators and the guides. Some of them are beyond revival. So, to help such affected organisations and people, what are the steps being taken? And, the second one is on the religious tourism.

MR. CHAIRMAN: Only one supplementary is allowed.

SHRI K.R. SURESH REDDY: Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Shri Suresh Reddy has been the Speaker. So, he understood quickly. He was the Speaker of Andhra Pradesh combined. Now, the Minister.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : माननीय सभापति जी, सरकार ने जो उत्तर दिया है, वह सच्चाई पर आधारित है, इसलिए हमने स्वीकार किया है कि कोरोना में पर्यटन को बड़ा नुकसान हुआ है।

लेकिन जैसा माननीय सदस्य ने पूछा है, मैं उनसे बड़ी विनम्रता के साथ कहूँगा कि जितने भी stakeholders हैं, मंत्री होने के नाते मैंने चार बार लगातार उनसे संवाद किया है और जब भी उनकी कभी कोई demands आई हैं, तो वे विधिवत वित्त मंत्रालय के सामने रखी गई हैं। अगर वे होटल इंडस्ट्री की बात करते हैं, तो मैं उनको, सदन को और देश को आपके माध्यम से सिर्फ इतना ही कहूँगा कि यह सच है कि इस कोरोना की महामारी के बीच में भी मंत्रालय और सरकार ने वे कदम उठाए हैं, जिनसे कम से कम इस देश के stakeholders इतने बड़े नुकसान के बावजूद देश के साथ और सरकार के साथ खड़े रहे।

DR. AMAR PATNAIK: Sir, since the impact of the pandemic-induced lockdowns would continue for several years after the pandemic subsides, I had requested the hon. Finance Minister for interest subvention and extension of moratorium for another two years and the letter was marked to the Ministry of Tourism as well. I would like to know the action taken by the Ministry of Tourism on this proposal because this is a long-pending demand of the tourism industry.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : माननीय सभापति जी, प्रश्न में जो पूछा गया है, उसके उत्तर में मैं कुछ आंकड़े देते हुए निवेदन करना चाहता हूं। मुझे लगता है कि यह जो अनुमान है, यह पहले भी लगाया गया था, लेकिन वह गलत साबित हुआ। मैं माननीय सदस्य के प्रश्न का उत्तर देते हुए जम्मू-कश्मीर राज्य में पहुंचे पर्यटकों की संख्या का एक आंकड़ा रखना चाहता हूं। जम्मू कश्मीर का उदाहरण मैं इसलिए दे रहा हूं, क्योंकि धारा-370 हटने का प्रभाव और साथ ही साथ पर्यटकों का वहां जाना, दोनों में सुधार हुआ है। जनवरी, 2020 में श्रीनगर में 3,792 पर्यटक गए थे, वहीं जनवरी, 2021 में यह आंकड़ा 19,042 तक पहुंच गया है। मुझे लगता है पर्यटन की दृष्टि से हमें पूरे देश को दो हिस्सों में देखना पड़ेगा। इस दृष्टि से महानगरों की हालत अभी खराब है, विशेषकर महाराष्ट्र और केरल की स्थिति ठीक नहीं है। इनको छोड़कर बाकी जितने भी आंकड़े मैं आपके सामने रख रहा हूं, वे पिछले आंकड़ों को पार कर रहे हैं।

दूसरा आंकड़ा मैं जम्मू का दे रहा हूं। वहां पिछले साल जनवरी में 9,27,959 पर्यटक पहुंचे थे और इस साल 7,29,175 पर्यटक पहुंचे हैं। आपको लगेगा कि यह आंकड़ा तो कम है, लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि पिछली बार अमरनाथ की यात्रा चल रही थी, उस समय पर्यटकों की संख्या 9 लाख के लगभग थी, लेकिन इस बार अमरनाथ यात्रा अभी शुरू भी नहीं हुई है, उसके बावजूद 7,29,175 पर्यटक वहां पहुंचे हैं। एक private organization, 'Ease My Trip' से जब मैंने इसका आंकड़ा मांगा, तो उन्होंने बताया कि पिछले साल जनवरी में पर्यटकों की संख्या में 81% की ग्रोथ थी, वहीं इस बार 108% ग्रोथ है। इस विषय में हमारी मान्यता बड़ी साफ थी कि यदि domestic tourists बाहर निकलेंगे, तभी hotel industry का survival and revival शुरू हो पाएगा। मैं इस चीज़ के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इसके लिए 'देखो अपना देश' का स्लोगन दिया था, यह उसी का परिणाम है। उनके इस स्लोगन को कार्यरूप

देने के कार्य में हमने स्टेकहोल्डर्स को एन्गेज किया, इसलिए मुझे लगता है कि अभी इसके आकलन में हमें जल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए।